Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher :- Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- I Course Code :- HIN – 1

Paper Title : - साहित्याभारती - I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	कहानी विभाग	1 एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे 2 ठाकुर का कुआं- प्रेमचंद 3 ममता- जयशंकर प्रसाद 4 गुल्की बन्नो- धर्मवीर भारती 5 ढाई बीघा जमीन- मृदुला सिन्हा 6 सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती	1 एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे 2 ठाकुर का कुआं- प्रेमचंद 3 ममता- जयशंकर प्रसाद 4 गुल्की बन्नो- धर्मवीर भारती 5 ढाई बीघा जमीन- मृदुला सिन्हा 6 सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती
खण्ड – ख	काव्य विभाग	1 बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 2 सखी, वे मुझसे कहकर जाते- मैथिलीशरण गुप्त 3 वीरों का कैसा हो वसंत- सुभद्रा कुमारी चौहान 4 हरि घाँस पर क्षणभर- अज्ञेय 5 प्याला- हरिवंशराय बच्चन 6 गीत नया गाता हूं- अटल बिहारी वाजपेयी	1 देश की आजादी के लिए लड़ रहे बलिदानी वीरों को दी जाने वाली सम्मान- भावना को समझाना! 2 समाज में पति से उपेक्षित पत्नी की, एक मनोदशा को ज्ञात करना! 3 संसार के भौतिक सुख- सुविधाओं में न बांधकर, प्रकृति के साथ मुक्त रूप में आध्यात्मिक जीवन जीने का संदेश! 4 शहरी जीवन की यांत्रिकता, तनाव, कुंठा, लूट- खसोट आदि से अपनी नीजता सुरक्षित रखकर प्रकृति के खुले और निर्मल वातावरण में जीवन के क्षण- क्षण को भरपूर जी लेने का संदेश! 5 मनुष्य ने जीवन में निरंतर आशावादी और सकारात्मकता से रहना चाहिए का संदेश! 6 मनुष्य ने अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करना l
खण्ड – ग	प्रयोजनमूलक हिंदी	वृत्तांत लेखन: प्रारूप और उदाहरण	प्रयोजनमूलक हिंदी के वृत्तांत लेखन के शैद्धान्तिकता से रोजगार परक शिक्षा को समझना

Specify Course Outcome: द्वितीय भाषा हिंदी के रूप में हिंदी भाषा और साहित्य से अवगत होकर, कालानुरूप परिवर्तित कहानी एवं साहित्य की प्रवृत्ति गत संवेदनाओं को समझना! साहित्य के माध्यम से माननीय नैतिक मूल्यों तथा व्यवहारिक ज्ञान से अवगत होना! जीवन के प्रति सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना प्रयोजनमूलक हिंदी की वृतांत- लेखन कला समझना!

Specify Program Outcome: जमींदारों का दयनीय प्रजा पर किए जाने वाले अन्याय और शोषण को समझना, सामाजिक परिवेश की जाति भेद की समस्या से ज्ञात होकर, उससे निर्मूलन के प्रयास को समझना, राष्ट्रीय, धार्मिक स्वाभिमान के साथ मानवीय कर्तव्य से अवगत होना, पुरुष प्रधान समाज में पारंपारिक रूप में स्त्री की होनेवाली प्रवचना को समझना, भारतीयों ने शहरीकरण, वैश्वीकरण और औद्योगिकरण के मायाजाल से मुक्त होकर, जीवन जीने के आधार स्रोत गांव एवं गांव की खेती को समझने का संदेश, आजादी के लिए लड़ रहे बलिदानी वीरों के प्रति सम्मान भावना को समझना, समाज मे पति से उपेक्षित पत्नी की एक स्त्री की मनोदशा से ज्ञात होना, ससारिक भौतिक सुख सुविधा में न बांधकर प्राकृतिक आध्यात्मिक जीवन जीने के संदेश को समझना, शहरी जीवन की यांत्रिकता तनाव, कुंठा आदि से अपनी निजता सुरक्षित रख प्रकृति के खुले और निर्मल वातावरण में जीवन के प्रत्येक क्षण को भरपुर जी लेने के संदेश से अवगत होना, मनुष्य ने जीवन में निरंतर आशावादी और सकारात्मक रहना चाहिए, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष कर प्रसन्न रहना चाहिए, को समझना आदि! प्रयोजनमूलक हिंदी के वृत्तांत लेखन कला की सैद्धांतिकता से रोजगारपरक शिक्षा को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- II Course Code :- HIN – 7

Paper Title : - साहित्याभारती - II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	कहानी विभाग	1 उसने तो नहीं कहा था- शैलेश मटियानी 2 आशीर्वाद- सुषमा सिंह 3 जरा समझो- सुशीला टाकभोरे 4बेठन- नीरजा माधव 5 मंडन मिसिर की खुरपी- सूर्यनाथ सिंह 6 हत्या- बरखा राजेश शर्मा	1 प्रेम -भाव के कोण और मातृभूमि की रक्षा करने के कर्तव्य को समझना! 2 वर्तमान आधुनिक महानगरीय मध्यवर्गीय परिवार के परिवेश और स्थितियों हो यथार्थता से समझना! 3 आपसी भेद-भाव को मिटाकर सामाजिक समानता स्थापित करने के भाव को समझना! 4 आर्थिक विषमता में भूख और अभाव से संघर्ष करते बच्चे की मनोवैज्ञानिक ता तथा वर्तमान संवेदना शुन्य शिक्षा पद्धति को समझना! 5 वृद्ध -विमर्श के साथ महानगरीय जीवन -बोध के यथार्थ पहलुओं को समझना! 6 शोषक साहूकारों और कर्मकांड के लिए प्रवृत्त करने वाले धर्म के ठेकेदारों को लताड़ ने तथा संयम- विवेक, संघर्ष से जिम्मेदारियों को निभाते हुए किसानों ने अपने जीवन में आशावादी होने की भावना को किसान -विमर्श के अंतर्गत समझना!
खण्ड – ख	काव्य विभाग	यह वह भारतवर्ष नहीं है- उदय प्रताप सिंह 2 माँ के लिए, ससुराल जाने से पहले- निर्मला पुतुल 3 गजल- जहीर कुरेशी 4 चुनाव- डॉ .अनुजप्रताप सिंह 5 सपना - डॉ.कर्मानंद आर्य 6 मारे जाएंगे- राजेश जोशी	1 वर्तमान भारत की दुर्दशा को देखकर उसमें सुधार लाने के संदेश को समझना! 3 गजलों में अभिव्यक्त वर्तमान आधुनिकता, अंधानुकरण, पक्षधर न्याय प्रणाली दलित और नारी- शोषण की यथार्थता को समझना! 6 वर्तमान व्यवस्था की अराजकता को समझना! 4 भारतीय प्रजातंत्र और चुनाव- प्रक्रिया को ज्ञात करना! 2आदिवासी जन -जीवन, मां बेटी का रिश्ता तथा मायके में बेटी के अस्तित्व को समझना! 5 भारतीय संविधान के आधार पर भारतीय समाज सामाजिक धार्मिक तथा आर्थिक विषमता से मुक्त करने के सपने की भावना को समझना!
खण्ड – ग	प्रयोजन मूलक हिंदी	पत्र लेखन: स्वरूप एवं प्रारूप, आवेदन पत्र पारिवारिक पत्र	हिंदी की पत्र लेखन कला का समर्थन से सैद्धांतिक अध्ययन पर उसके आवेदन पत्र तथा पारीक पत्र प्रकार के लेखन कौशल से अवगत होना।

Specify Course Outcome: द्वितीय भाषा हिंदी के द्वारा हिंदी भाषा साहित्य को समझना तथा उसके द्वारा मन -मस्तिष्क परिष्कृत कर जीवन में आनंद लेना प्रयोजनमूलक हिंदी की पत्र लेखन कला से अवगत होना!

Specify Program Outcome: प्रेम -भाव कोणो के साथ मातृभूमि का रक्षा करने के संदेश को समझना वर्तमान आधुनिक महानगरीय मध्यवर्गीय परिवार के परिवेश तथा स्थितियो से वस्तुतः अवगत होना, आपसी भेद-भाव को मिटाकर सामाजिक समता प्रस्थापित करना, आर्थिक विपन्नता मे भूख और अभाव से संघर्ष करते बच्चे की बाल मनोवैज्ञानिकता एवं वर्तमान संवेदना शुन्य शिक्षा पद्धति से ज्ञात होना, वृद्ध-विमर्श और महानगरीय जीवन -बोध के यथार्थ पहलुओं को समझना, शोषक साहूकारों एवं कर्मकांड के लिए प्रवृत्त करने वाले धर्म के ठेकेदारों को लताड़ना संयम, विवेक, संघर्ष से जिम्मेदारियों को निभाते हुए किसानों ने आशावादी होने की भावना को समझाना, वर्तमान भारत की दुर्दशा को दूर कर उसमें सुधार लाने की भावना को समझना, वर्तमान अत्याधुनिकता, अंधानुकरण, पक्षधर न्यायप्रणाली, दलित तथा स्त्री- शोषण की यथार्थता व्यवस्था की अराजकता से अवगत होना, भारतीय प्रजातंत्र एवं चुनाव -प्रक्रिया से ज्ञात होना, आदिवासी जन- जीवन मां- बेटी का रिश्ता तथा मायके में बेटी को समझना, भारतीय सविधान के आधार पर भारतीय समाज सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विषमता से मुक्त होने के सपने की भावना को समझना आदि! प्रयोजनमूलक हिंदी की पत्र -लेखन कला को समस्तता से समझते हुए, उसके आवेदन पत्र और पारिवारिक पत्र- प्रकार के लेखन- कौशल से अवगत होना।

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) **Sem:- I** **Course Code :- HIN – 1**

Paper Title : - कथा साहित्य- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	उपन्यास	खंजन नयन- अमृतलाल नागर	प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृतलाल नगर के व्यक्तित्व- कृतित्व से परिचित होना, ऐतिहासिक उपन्यास खंजन नयन के द्वारा सूरदास के जीवन और चरित्र के विविध पहलुओं को समझना! साथ में सूरदास की भक्ति और प्रेम -भाव से ज्ञात होना!
खण्ड – ख	कहानियां	1) उस ने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी 2) सुजान भगत- प्रेमचंद 3) पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद 4) खेल- जैनेंद्र कुमार 5) मलबे का मालिक- मोहन राकेश 6) गेंद- चित्रा मुदगल	1) निस्वार्थ प्रेम, प्रेम पालन, त्याग भावना, वीरता आदि भावों को समझना, भाषा शिल्पा से अवगत होना तथा हिंदी कहानी के आरंभिक विकास में विशेष ख्याति प्राप्त कहानी के रूप में महत्व जानना! 2) परिश्रम का महत्व, मेहनत, ईमानदारी और दानवीर वृत्ति से समाज में मान- सम्मान तथा तथा किसान की कर्तव्य परायणता ईमानदारी मेहनत और दान- वृत्ति को समझना! 3) एक कन्या का अपनी भूमि के प्रति प्रेम, पिता के बलिदान के लिए श्रद्धा तथा प्रेमी के प्रति पश्चाताप के भावों को समझना! 4) छोटे दो बच्चों की अबोधता, उनका परस्पर स्नेह, रूठना- मनाना आदि बाल -सुलभ भावनाओं के द्वारा बाल मनोविज्ञान से अवगत होना! 5) देश -विभाजन की त्रासदी, मोहभंग की अवस्था और मानवीयता के भावों से विदित होना! 6) वर्तमानकालीन वृद्धों के प्रति बढ़ती संवेदनहीनता के सा पारिवारिक स्नेह और भावनिक सहचार्य के भाव से अवगत होना!

Specify Course Outcome: उपन्यास और कहानी विधा से पूर्णताः ज्ञात होकर कथा साहित्य की लेखन शैली से अवगत होना और कथा लेखन की हो ओर अग्रसर होना l साथ ही मानसिक और बौद्धिक स्तर पर परिष्कृत होना l

Specify Program Outcome: प्रसिद्ध उपन्यासकार अमृतलाल नागर के व्यक्तित्व- कृतित्व से परिचित होकर उनके ऐतिहासिक उपन्यास खंजन नयन के माध्यम से सूरदास के जीवन और चरित्र के विविध पहलू एवम सूरदास की भक्ति भावना को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY(Opt.-Hindi) **Sem:- I st** **Course Code :- HIN – 2**

Paper Title : - नाटक तथा एकांकी-II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	नाटक	धरती आबा- ऋषिकेश सुलभ	नाटककार ऋषिकेश सुलभ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से ज्ञात होना धरती आबा नाटक की मूल संवेदना को समझना, नाटक के माध्यम से आदिवासी-विमर्श, बिरसा मुंडा और आदिवासी जन -जीवन की समस्याएं, उनका उलगुलान आंदोलन तथा इस आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों की संघर्ष गाथा से अवगत होना और आदिवासियों की प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना!
खण्ड – ख	एकांकी	१)सीमा रेखा- विष्णु प्रभाकर २)पृथ्वीराज की आंखें- डॉ. रामकुमार वर्मा ३)अशोक वन- पंडित लक्ष्मी नारायण मिश्र ४)नये मेहमान- उदय शंकर भट्ट ५)रीड की हड्डी- जगदीश चंद्र माथुर	१)राष्ट्र के प्रति प्रेम भाव एवं प्रजातंत्र में प्रजा और शासन के बीच कोई सीमा- रेखा या विभाजन रेखा होने के संदेश को समझना! २)पृथ्वीराज चौहान की समस्त स्वाभिमानी एवं स्वतंत्र व्यक्तित्व और कृतित्व से अवगत होना! ३)सीता के चरित्र की चारित्रिक उज्जवल ता के सर रावण भी बौद्धिक स्तर पर चरित्रवानए रूपवान और नैतिक मूल्यों पर अटूट विश्वास रखने वाला व्यक्ति थाए को समझना! ४)आधुनिक महानगरीय जीवन -प्रणाली में आवास के साथ मेहमान का घर में आना भी एक भीषण समस्या बन गई है को समझना! ५)घृणित मोनूवृत्तियों का विरोध एवं श्री ओके मानवाधिकार के समर्थन- भाव से ज्ञात होना!

Specify Course Outcome: नाटक तथा एकांकी विधा से पूर्णताः ज्ञात होना तथा नाट्य साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करते हुए नाट्य- सृजन की ओर उन्मुख होना नाट्य साहित्य से होने वाली रस निष्पत्ति का आनंद लेना l

Specify Program Outcome: नाटककार ऋषिकेश सुलभ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ज्ञात करते हुए हुए धरती आबा नाटक की मूल संवेदना आदिवासी जन- जीवन बिरसा मुंडा का जीवन- चरित्र, उलगुलान आंदोलन आदि के द्वारा आदिवासी विमर्श को समझना! राष्ट्रप्रेम तथा प्रजातंत्र में प्रजा और शासन के बीच अटूट संबंध को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) **Sem:- II** **Course Code :- HIN – 3**

Paper Title : - कथा साहित्य- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	उपन्यास	पचपन खंभे लाल दीवारें - उषा प्रियंवदा	प्रवासी हिंदी साहित्यकार के रूप में विख्यात उषा प्रियंवदा के व्यक्तित्व- कृतित्व से ज्ञात होकर उनकेप्रथम प्रसिद्ध और बहुचर्चित, उपन्यास पचपन खंबे लाल दीवारे की कथावस्तु को समझना। जिसमें भारतीय स्त्री की सामाजिक- परिस्थितियों से उत्पन्न कुंठा ,उब छटपटाहट, अकेलापन आदि मानसिक संत्रास नारी विमर्श के द्वारा प्रकट हुआ है।
खण्ड – ख	कहानियां	१)निर्वासित -सूर्यबाला २)कोसी का घटवार- शेखर जोशी ३)गृह प्रवेश- शालिनी सिंह ४)अकाल मृत्यु- स्वयं प्रकाश ५)सबसे कठिन काम- मधु कांकरिया ६)साहब फिर कब आएंगे मॅं?- दामोदर खडसे	१) वृद्ध माता-पिता की बेटो द्वारा होने वाली उपेक्षा और उनकी पीड़ा को समझना तथा उसमें परिवर्तन हेतु प्रयत्नरत होना! २)ग्रामीण पहाड़ी परिवेश, नायक नायिका का मानसिक अंतर द्वंद्व सामाजिक बंधन एवं नायक का नायिका के प्रति अद्वितीय प्रेम आदि को समझना! ३)माता-पिता तथा बच्चों को परिवार में मिलजुलकर एक-दूसरे को समझकर ही रहने में, उनके जीवन की सार्थकता है, के संदेश से अवगत होना! ४)पिता की अकाल मृत्यु के कारण किशोर आयु को नववी कक्षा के लड़के का आर्थिक विपन्नता में उस और असमय प्रोढ होने की विवेचना को समझना ५)डॉक्टर की अपने पेशे के प्रति सत्य निष्ठा के साथ मनुष्य और मनुष्यता की श्रेष्ठ ता तथा आवश्यकता को समझने के संदेश से अवगत होना! ६)दीन - दलित गरीब और बर्तन मांजने वाली स्त्री की दरिद्रता तथा परिवार का ठीक से पालन पोषण एवं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न कर पाने की वेदना को समझना!

Specify Course Outcome: उपन्यास और कहानी साहित्य के विकास क्रम से ज्ञात होते हुए रचनाकारों की लेखन शैली से अवगत होना, कथा साहित्य में वर्णित विविध परिवेश एवं समस्याओं को जान लेना तथा समस्याओं के निराकरण के मार्ग ढूंढना।

Specify Program Outcome: प्रवासी हिंदी साहित्यकार उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व- कृतित्व से ज्ञात होना, प्रसिद्ध एवं बहुचर्चित नायिका प्रधान उपन्यास पचपन खंभे लाल दीवारें से व्यक्त भारतीय स्त्री की मानसिक संत्रास नारी -विमर्श के द्वारा समझना! वृद्धा माता-पिता की परिवार में होनेवाली अवहेलना और उनकी पीड़ा को समझते हुए पहाड़ी परिवेश, नायक -नायिका का मानसिक अंतर्द्वंद , नायक का अद्वितीय प्रेम आदि अवगत होना, माता -पिता तथा बच्चों को परिवार में मिलजुलकर रहने में ही जीवन की सर्तकता है से ज्ञात होना पिता की अकाल मृत्यु से किशोर वयीन लड़के को आनेवाला असमय प्रोढत्व समझना, डॉक्टर की अपने पेशे के प्रति सत्यनिष्ठता के साथ मनुष्य और मनुष्यता की श्रेष्ठता को समझना और उसका प्रतिपादन करना, गरीब दीन- दलित बर्तन मांजनेवाली स्त्री की अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी और उसकी वेदना को समझना आदि!कहानी विधा के सैद्धांतिक विवेचन में कहानी की परिभाषा, स्वरूप और तत्वों से अवगत होते हुये कहानी के उद्‌भव एवं विकास -क्रम को समझना! कमलेश्वर के पूर्ण व्यक्तित्व तथा कृतित्व को ज्ञात करती हुये, उनके 'लौटे हुए मुसाफिर' उपन्यास की संवेदना भारत -पाक विभाजन की त्रासदी तथा विभाजन के पश्चात की समस्याओं को समझना! सवर्णों का असवर्ण मुखौटा धारण कर, अवसरवादी बनकर स्वार्थ -सिद्धि करना, बाजारवाद से प्रभावित युवा पीढ़ी से ज्ञात होना, आदिवासियों का जनजीवन तथा सामंती व्यवस्था द्वारा आदिवासियों के समग्र शोषण से विदित होना, बुद्ध- दर्शन से प्रभावित मानवीय मूल्य एवं दलित अस्मिता के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार और मानव केंद्रित दलित साहित्य के प्रगल्भ विचारों को समझना, उच्च शिक्षा के शोध - क्षेत्र में पात्रताधारक दलित छात्रों की प्रवंचना और प्रवेशित न होने देने की सवर्ण वर्ण- व्यवस्था को ज्ञात करना, स्त्री -विमर्श, स्त्री -अस्मिता तथा वैवाहिक जीवन में पति -पत्नी संबंध एवं विश्वासघाती पति और पुरुष सोच को समझना, वर्तमान आधुनिक महानगरीय जीवन में सहजीवन के दुष्परिणामों से अवगत होकर, विवाह संस्था का प्रतिपादन करना आदि।

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) Sem:- II[nd] **Course Code :- HIN – 4**

Paper Title : - नाटक तथा एकांकी -IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	नाटक	अभंग गाथा- नरेंद्र मोहन	नाटककार के रूप में नरेंद्र मोहन के व्यक्तित्व तथा कृतित्व को समझाते हुए अभंग गाथा नाटक के कथ्य- कोणो को और भाषा- शिल्प को समझना! नाटक के माध्यम से संत तुकाराम के व्यक्तित्व- कृतित्व, जीवन- संघर्ष एवं चरित्र के साथ उनकी देन को समझना!
खण्ड – ख	एकांकी	१)काल पुरुष और अजंता की नर्तकी- लक्ष्मी नारायण लाल	१) पुरुष की पारंपरिक स्वार्थी सोच स्त्री की असायता और विवशता, पति - पत्नी के बीच अविश्वास एवं तनाव तथा उसके कारण परिवार के दुख को समझना!
		२)चरवाहे- उपेंद्रनाथ अश्क	२)सामाजिक कमजोरियों एवं अंधश्रद्धा के उद्घाटन के साथ स्वतंत्र तथा स्वच्छदी जीवन जीने की भावाभिव्यक्ति!
		३)बहू की विदा- रामनरेश त्रिपाठी	३) भारतीय समाज में व्याप्त विकार दहेज प्रथा की समस्या के कारण समाज में होनेवाली स्त्रियों की दुर्दशा को समझना तथा समस्या के निर्मूलन हेतु प्रयत्न करना!
		४)बा और बाबू- रामनरेश त्रिपाठी	४) बा और बापू अर्थात कस्तूरबा तथा महात्मा गांधी जी के जीवन की सच्ची घटनाएं जो दक्षिण अफ्रीका जिओ एप गुजरात सत्याग्रह आंदोलन से जुड़ी हुई है के द्वारा बा और बापू के चरित्र को समझना!
		५)शहादत- रंगनाथ तिवारी	५) राजशाही के विरुद्ध जनतंत्र तथा धर्मांधता के विपरीत मानवीयता के लिए लड़ने वाले इमरोज केसंपादक शोइबुल्ला खॉ के जीवन-चरित्र और शहादत को समझना!

Specify Course Outcome: साहित्य के विकास क्रम से ज्ञात होते हुए उसके संवाद लेखन- वाचन कौशल्य से अवगत होना! रंगमंच और अभीनय के प्रति आकर्षित होना तथा क्षेत्र की रोजगार उपलब्धता को भी समझना!

Specify Program Outcome: नाटककार नरेंद्र मोहन के समग्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व से ज्ञात होते हुए अभंग गाथा नाटक की मूल संवेदना और भाषा शिल्प को समझना! नाटक के माध्यम से संत तुकाराम का चरित्र तथा जीवन संघर्ष के उनकी दिन से अवगत होना।

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : -Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A./B.com./B.Sc.SY (SL-Hindi) Sem:- III Course Code :- HIN – 3

Paper Title : - कथेत्तर गद्य - III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	१) निबंध	१) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्णसिंह	१) आचरण की श्रेष्टता का प्रतिपादन l
	२) रेखाचित्र	२) चीनी फेरीवाला - महादेवी वर्मा	२) समाज में निर्माण विविध समस्याओ का निराकरण कर मानवीय मूल्यों को समझना और समझना l
	३) जीवनी	३) कलम का सिपाही - अमृतराय	३) प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतिव्य को समझकर सृजन के प्रति उन्मुख होना l
	४) आत्मकथा	४) बडोदा का अनुभव - डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर	४) समाज में स्थित निम्न जाति की विविध समस्याओ के प्रकटीकरण से वास्तविकता का ज्ञान करना l
	५) रेखाचित्र	५) मेरा हमदम मेरा दोस्त : कमलेश्वर - राजेंद्र यादव	५) मनुष्य एवं साहित्यकार कमलेश्वर के संपूर्ण जीवन-दर्शन को जानकर उससे मूल्य-बोध लेना l
	६) रिपोर्ताज	६) सुखे चेहेरो का भूगोल - मणिमधुकर	६) राजस्थान की भोगोलिक और सामाजिक परिस्थिति को वस्तुत : समझना l
	७) व्यग्यनिबंध	७) मेरी मौत के बाद - लतिफ घोगी	७) मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ती को उदघाटित कर, उससे परावृत्त होने का संदेश l
	८) डायरी	८) जाना तो बाहर ही है - मैत्रेयी पुष्पा	८) स्त्री-विमर्श के साथ समाज में स्त्री-चेतना जागृती का बोध l
	९) पत्र	९) पत्र - सरदार भगतसिंह	९) देश के प्रति समर्पन-भाव को जगाना l
	१०) एकांकी	१०) शिवाजी का सच्चा स्वरुप - सेठ गोविंददास	१०) शिवाजी महाराज का स्त्री के प्रति उदात्त भाव समझते हुए, स्त्री-समान का बोध लेना l

Specify Course Outcome: कथेत्तर गद्य की विभिन्न विधाएं: निबंध, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र, एकांकी आदि के स्वरूप और संवेदनाओं को समझना l

Specify Program Outcome: आचरण की श्रेष्ठता का प्रतिपादन, सामाजिक मानवीय मूल्यों को समझना, प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरित होकर साहित्य-सृजन करना, निम्न जाति की विभिन्न समस्याओं को वस्तुतः समझना, मनुष्य एवं साहित्यकार कमलेश्वर के समस्त जीवन-दर्शन से मूल्य-बोध लेना, राजस्थान की भौगोलिक और सामाजिक वस्तुस्थिति को समझना, मनुष्य को स्वार्थी प्रवृत्ति से परावृत्त होना, स्त्री-विमर्श एवं स्त्री-चेतना जागृति का बोध, देश के प्रति समर्पण भाव को जगाना, शिवाजी महाराज का स्त्रियों के प्रति सम्मान-भाव का बोध लेना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SL-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN – 4

Paper Title : - नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी - IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	नाटक	जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याई नई - असगर वजाहत	असगर वजाहत का व्यक्तिव समझ लेना l भारत-पाक विभाजन के पश्चात देश में आपसी संबंध सौहाद्रता पूर्वक मानवीयता से परिपूर्ण प्रस्तावित करना l
खण्ड – ब	प्रयोजनमूलक हिंदी	इंटरनेट और हिंदी भाषा १) इंटरनेट की उपयोगिता २) वेब सर्चिंग : अर्थ और उपयोगिता ३) ब्लॉग लेखन : स्वरुप और पद्धती ४) ई-मेल, मेलविधी : निर्माण तथा प्रेषण	अंतरजाल का महत्व , उसकी उपयोगिता और कार्य पद्धतियों को समझना तथा उसमें प्रयुक्त हिंदी भाषा ज्ञान को अवगत करना l

Specify Course Outcome: नाटककार असगर वजाहत का व्यक्तित्व -कृतित्व समझते हुए नाटक 'जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याइ नहीं' की मूल संवेदना को समझना l प्रयोजनमूलक हिंदी से संबंधित अंतरजाल और उसकी पद्धतियों को ज्ञात करना l

Specify Program Outcome: भारत-पाक विभाजन के समय और पश्यात की मानसिकता से अवगत होना तथा देश में मानवीय संबंधों को स्थापित करना l अंतरजाल का महत्व, उसकी उपयोगिता और कार्य प्रणालियों को समझना एवं अंतरजाल की कार्य पद्धतीयो में प्रयुक्त हिंदी भाषा को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- III** **Course Code :- HIN – 5**

Paper Title : - मध्ययुगीन कविता- V

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	हिंदी काव्य विकास एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन	1) आदिकाल 2) भक्ति काल 3) रीतिकाल	हिंदी काव्य का उद्‌भव, विकास- क्रम एवं प्रवृत्तियों को समझना l
खण्ड – ब	मध्ययुगीन कवि	1) नामदेव के पद	1) भक्त के रूप में नामदेव को समझाते हुए उनके सत्संगति, समानता, सांप्रदायिकता, आडंबर आदि के प्रति विचारों को ग्रहण कर समाज में इन मूल्यों को स्थापित करना l
		2) कबीर के दोहे	2) रहस्यवादी भक्ति तथा कुसंगति से बचकर सत्संगति के सहवास को आत्मसात करना l
		3) रैदास के साखी	3) भक्त रैदास के जाती -पाती, समानता, सांप्रदायिकता, सद्‌भाव , एकेश्वरवाद के साथ ढोंग , भ्रष्टाचार से बचना तथा परिश्रम की श्रेष्ठता के विचारों को समझना l
		4) रहीम के दोहे	4) सत-संगति का प्रभाव, समर्पण भाव, परोपकार, संयत और मृदु वाणी का महत्व, सहकार्य आदि मनुष्य जीवन के तत्वज्ञान को कृतित्व में लाना l
		5) भूषण के पद	5) भूषण के शिवाजी महाराज की वीरता, देश प्रेम और शौर्य संबंधी भाव को समझकर राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं समर्पण भाव रखने का संदेश l
		6) रसखान के पद	6) रसखान की कृष्ण -भक्ति को समझना l
		7) मीराबाई के पद	7) मीराबाई की कृष्णा के प्रति अटूट आत्मीय प्रेम भक्ति भाव एवं समर्पित भक्ति भाव को समझना l
		8) बिहारी के दोहे	8) बिहारी के दोहों में अभिव्यंजित कृष्ण भक्ति , श्रृंगार, रस-वर्णन, प्रेम प्रवृत्ति, नीति आदि भाव को समझना l

Specify Course Outcome: हिंदी काव्य का उद्भव और आरंभिक तीनों काल आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल में हिंदी काव्य के विकास-क्रम तथा प्रवृत्तियों को समझना l

Specify Program Outcome: मध्य युग के भक्तिकाल एवं रितिकालीन कवियों की, भक्ति, विचार और काव्य-प्रवृत्तियों को समझते हुए उनकी प्रासंगिकता पर ध्यान देना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- III** **Course Code :- HIN −6**

Paper Title : - निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VI

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	निबंध विधा का परिचय	निबंध की परिभाषा .निबंध के तत्व	हिंदी निबंध साहित्य का परिचय करना एवं निबंध लेखन की प्रेरणा निर्माण करना
खण्ड – ब	निबंध	१)धोखा - प्रताप नारायण मिश्र २)मन की दृढ़ता- बालकृष्ण भट्ट ३)आंगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र ४)करुणा -रामचंद्र शुक्ल ५)राष्ट्र का स्वरूप - वासुदेव प्रसाद मुदगल	1 समाज के विभिन्न स्तर के लोग किस प्रकार माया, भ्रम , छल एवं धोखा देते हैं इसको समझना 2 सत्य की पहचान करवाना 3 विरासत की पहचान करवाना एवं उसके जिम्मेदारी का प्रतिपादन करना 4 मन के भाव करुणा का विश्लेषण करना 5 राष्ट्र के स्वरूप का परिचय करवाना एंव राष्ट्र संवर्धन के विचारों का प्रतिपादन करना
खण्ड – क	कथेत्तर गद्य	डॉक्टर बरसाने लाल चतुर्वेदी गोपाल प्रसाद मुदगल रेखा चित्र हिंदी साहित्य का बासी पन दूर कर रहा है साहित्य साहित्य दलित साहित्य-डॉ. एन. सिह साक्षात्कार	हिंदी साहित्य की अधुनातन विधाओं का परिचय करवाना एवं उसके लेखन की प्रेरणा निर्माण करना

Specify Course Outcome: निबंध -साहित्य के समस्तता से समझते हुए कथेत्तर गद्य की विधा रेखाचित्र तथा साक्षात्कार विधा से अवगत होना और निबंध -साहित्य के साथ कथेत्तर गद्य विधा लेखन की ओर आकृष्ट होना !

Specify Program Outcome: निबंध- साहित्य के सैद्धांतिक अध्ययन से निबंध विधा को पूर्णताः से समझ लेना! साथ में कथेत्तर गद्य की रेखाचित्र और साक्षात्कार विधा को ज्ञात करना! धोखा देने वाले तथा खानेवाले मनुष्य- प्रवृत्ति को जानना, मनुष्य मन की दृढ़ता को समझते हुए उसके द्वारा जीवन में सफलता प्राप्त करना! प्रकृति और मनुष्य जीवन दोनों के सामंजस्य मैं ही मनुष्य जीवन के भविष्य की सुरक्षितता को ज्ञात करना मनुष्य मन का भाव करुणा को समग्रता से समझना राष्ट्र स्वरूप निर्मिति के घटक भूमि जन एवं संस्कृति से अवगत होकर उनका संवर्धन करना डॉ बरसाने लाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझते हुए उनके व्यंग्यकार व्यक्तित्व के विशेषता से ज्ञात करना दलित साहित्य की चेतना ,सार्थकता उपलब्धि और संभावनाओं को समझना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- IV** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - आधुनिक कविता- VII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	आधुनिक काव्य का विकास	1) भारतेंदु युग 2) द्विवेदी युग 3) छायावाद 4) प्रगतिवाद 5) प्रयोगवाद 6) नई कविता आदि का संक्षेप में अध्ययन	आधुनिक हिंदी काव्य-विकास को समझना एवं काव्य- लेखन की ओर उन्मुख होना l
खण्ड – ब	आधुनिक कवि	1) पुरुष हो पुरुषार्थ करो, उठो- मैथिलीशरण गुप्त 2) हिमाद्रि तुंग श्रृंग से- जयशंकर प्रसाद 3) सच न बोलना- नागार्जुन 4) मधुशाला- हरिवंशराय बच्चन 5) सॉप के प्रति - अज्ञेय 6) भूल-गलती - गजानन माधव मुक्तिबोध 7) चौदह अप्रैल- कॅवल भारती 8) मेरी यात्रा आज भी जारी है- डॉ. चंद्र कुमार वरठे 9) औरत- रजनी अनुरागी 10) महिलाओं का कार्यक्रम- स्नेहमयी चौधरी 11) इतनी दूर मत ब्याहना बाबा- निर्मला पुतुल 12) रूह बेचैन है इक दिल की- कैफी आज़मी	१) मनुष्य ने दुर्बलता तथा आलस्य को त्यागकर कार्यशील होकर सफलता को प्राप्त करना l २) शूर वीरों के गुणगाण से राष्ट्रप्रेम जगाना I ३) पूँजिवादी व्यवस्था को बेनकाब कर असामाजिक तत्वों से बचने का संदेश l ४) जाति-भेद या वर्णभेद से उपर उठकर मानवीयता के निर्माण का संकेत l ५) आधुनिक बोध को समझते हुए मानवीय स्वार्थी प्रवृति से उपर उठकर वस्तुत: मनुष्य सभ्यता से परिचित होना l ६) निर्भय एवं संकल्पबध्द व्यक्ति सत्ता को चुनौती देने पर सत्ता भी उससे डरती है और भूल-गलतियॉं निःसहाय हो जाती है, को समझना l ७) डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के कार्य-कृतित्व से बोध लेना l ८) अज्ञान और अंधविश्वास तथा वर्णव्यवस्था से मुक्त एवं स्वयंदीप होकर प्रकाश-पथ पर चलने का संदेश l ९) स्त्री आजन्म जिस यंत्रना और यातना से गुजरती है, उसे समझने और समझाने का प्रयास l १०) स्त्री-चेतना को जागृत कर समाज में स्त्रियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण की निर्मिति करना l ११) आदिवासी विमर्श को उदघाटित करते हुए अदिवासी स्त्री या बेटी की पिता के प्रति सोच को समझने का संकेत l १२) गजल के माध्यम से प्रेम की पीडा, उसकी अभिलाशा और भाव-भावनाओं को समझने का संदेश l

Specify Course Outcome: आधुनिक हिंदी काव्य- विकास को समझते हुए छात्रों ने काव्य- लेखन की ओर उन्मुख होकर काव्य-सृजन करना l

Specify Program Outcome: मनुष्य ने कार्यशील होना, राष्ट्रप्रेम की जागृति, पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध, जाति-भेद या वर्ण -भेद से उपर मानवीयता, मानवीय स्वार्थी प्रवृत्ति का उद्‌घाटन, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के कार्य- कृतित्व का उद्‌घाटन, अज्ञान और अंधविश्वास से मुक्त मनुष्य स्वयंदीप पोकर होकर प्रकाश पथ पर चले, स्त्रियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण, आदिवासी- विमर्श विवेचन, प्रेम -पीड़ा और भावनाओं को समझना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- IV** **Course Code :- HIN – 8**

Paper Title : - निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VIII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	निबंध विधा	निबंध विधा का उद्‌भव और विकास	निबंध विधा एवं कथेत्तर गद्य की यात्रावृत तथा पत्र विधा से अवगत होना l
खण्ड – ब	निबंध	1) शिरीष के फूल- हजारी प्रसाद द्विवेदी 2) तुम्हारी समाज की क्षय - राहुल सांकृत्यायन 3) शोक सभा -- रविंद्रनाथ त्यागी 4) ज्वालामुखी पर खिलता सुमन- श्रीराम परिहार 5) चलो रामलीला मैदान - राम अवतार यादव	1)मनुष्य संकटकालीन स्थिति में भी जीवन में धैर्यता, कर्त्यव्यशीलता, औरों के लिए चिंता आदि मानव रहने चाहिए l 2) विषम-जाती व्यवस्था प्रथा-परंपरा का विरोध एवं यथार्थ का समर्थन और प्रतिपादन l 3) शोक सभा की श्रद्धांजलि द्वारा मनुष्य-स्वभाव का प्रकटीकरण l ४) सत्य और मनुष्यता का दर्शन एवं प्रतिपादन l ५) समाजवादी राजनेता का अडम्बरपूर्ण वास्तव दर्शन l
खण्ड – क	कथेत्तर गद्य	1) देवताओं के आंचल में - यात्राव्रत -अज्ञेय 2)ग्रामोत्थान - पत्र- नानाजी देशमुख	1)कुल्लू की प्राचीन सभ्यता, रिती रिवाज, त्योहारो को समझना और समझाना l 2) गुलामी के पूर्व की न्याय व्यवस्था से अवगत होते हुय उससे वर्तमान में ग्रामोन्नती के मार्ग निकालना l

Specify Course Outcome: निबंध- विधा का समस्तता से उद्‌भव और विकास- क्रम समझना एवं कथेत्तर गद्य से अवगत होकर कथेत्तर गद्य की यात्रावृत्त तथा पत्र विधा को ज्ञात करना एवं लेखन के प्रति प्रेरित होना!

Specify Program Outcome: निबंध साहित्य के उद्‌भव और विकास को पूर्णताः से समझना, कथेत्तर गद्य से अवगत होना, मनुष्य ने संकटकालीन स्थिति में भी अपने जीवन में धैर्यता, कर्तव्यशीलता, औरों के प्रति चिंता आदि मानव- मूल्यों से परिपूर्ण रहना चाहिए, विषम जाति-व्यवस्था, प्रथा- परंपरा का विरोध एवं यथार्थ का समर्थन तथा प्रतिपादन, शोकसभा की श्रद्धांजलि में व्यक्त मनुष्य- स्वभाव के कोनो को जानना, सच्चाई और मनुष्यता के दर्शन को समझना एवं उसका प्रतिपादन करना समाजवादी राजनेता के आडंबरपूर्ण वास्तविक व्यक्तित्व से अवगत होना, कुल्लू की प्राचीन सभ्यता, रीति-रिवाज त्योहारों को समझना, गुलामी के पूर्व की न्याय -व्यवस्था से ज्ञात होकर, उससे वर्तमान में ग्रामोन्नति के मार्ग ढूंढना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S. D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- V** **Course Code :- HIN – 9**

Paper Title : - हिंदी साहित्य का इतिहास- IX

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	आदिकाल	आदिकाल का परिचय आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां	हिंदी साहित्य के आरंभिक आदिकाल और आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां समझना l
	भक्ति काल	1) भक्तिकाल : परिचय 2) निर्गुण भक्ति: ज्ञानश्रयी. प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृतियां 3) सगुण भक्ति: रामभक्ति एवं कृष्ण भक्तिशाखा की प्रवृतियां	भक्तिकालीन परिस्थितियो को समझते हुए भक्तिकाल की विभिन्न भक्ति-धाराओ की प्रवृत्तियों को ज्ञात करना l
खण्ड - ख	रीतिकाल परिचय	रीतिकाल : परिचय, रीतिबद्ध. रीतिसिद्ध .रीतिमुक्त काव्य धारा का संक्षिप्त परिचय	रीतिकाल तथा रितिकालीन विविध काव्य-धाराओ की प्रवृत्तियों को समझना l
	आधुनिक काल	आधुनिक काल : परिचय भारतेंदु युग. द्विवेदी युग. छायावाद. प्रगतिवाद. प्रयोगवाद. नई कविता की प्रमुख प्रवृतियां	आधुनिककाल से परिचित होकर आधुनिक काल की विभिन्न काव्यधाराओ की प्रवृत्तिगत विशेषताओ को समझ लेना l

Specify Course Outcome: हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास से परिचित होकर हिंदी साहित्य -सृजन की पृष्ठभूमि को समझना तथा साहित्यिक प्रवृत्ति- परंपरा से अवगत होते हुए, साहित्य मे अभिव्यक्त जीवनमूल्यों एवं दर्शन का आकलन करना साथ में परिवर्तित भाषा- शिल्प को भी समझना l

Specify Program Outcome: हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्ति काल, रीतिकाल, और आधुनिक काल के साहित्य की प्रेरक परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों तथा रीतिकालीन, आधुनिक कालीन विभिन्न काव्य-धाराओं की प्रवृत्तिगत विशेषताओं से अवगत होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S. D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- V** **Course Code :- HIN – 10**

Paper Title : - हिंदी भाषा - X

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	हिंदी भाषा	1) भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप 2) भाषा की विशेषताएं 3) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास	भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओ को समझते हुए, हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास को ज्ञात कर लेना l
खण्ड - ख	हिंदी भाषा के विविध रूप	1) प्रयोजनमुलक हिंदी 2) राष्ट्रभाषा 3) राजभाषा 4) संपर्क भाषा	हिंदी के विविध रूपो प्रयोजनमूलक हिंदी ,राष्ट्रभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी और संपर्कभाषा हिंदी को यथोचितता से समझना l
खण्ड – ग	हिंदी की स्थिति	1) भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाएं 2) संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी की संवैधानिक स्थिति 3) हिंदी की वैश्विक स्थिति	हिंदी भाषा का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाओ को ज्ञात करते हुए हिंदी की संवैधानिक और वैश्विक स्थिति को समझना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा के महत्व को समझाते हुए उसके स्वरूप और प्रयुक्ति क्षेत्र से परिचित होना तथा उसकी उपयोगिता को प्रतिपादित करते हुए संवैधानिक स्थिति को समझाना l

Specify Program Outcome: भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत होते हुए हिंदी भाषा की उद्‌भव और विकास को समझना! हिंदी भाषा की विविध रूपों की समस्तता जानकारी लेना तथा हिंदी का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं उसकी संभावनाओं से ज्ञात होकर, उसकी संवैधानिक वैश्विक स्थिति का आकलन कराना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- VI** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - साहित्य शास्त्र- XI

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	काव्य	1) काव्य का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप : 2) काव्य के तत्व, 3) काव्य के प्रयोजन, 4) काव्य के हेतु l	काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए, काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझते हुए, काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को समझ लेना l
खण्ड – ब	शब्द शक्ति	1) अर्थ , परिभाषा और स्वरूप : 2) शब्द शक्ति के भेद क) अभिधा ख) लक्षणा ग) व्यंजना	शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, शब्द-शक्ति के अभिधा, लक्षणा, व्यंजना इन तीनों भेद को समझना l
खण्ड – क	आलोचना	आलोचना १) परिभाषा स्वरूप २)आलोचक के गुण	आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, आलोचक के गुणों को समझना l

Specify Course Outcome: काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए उसके महत्व को समझना और शास्त्रीय दृष्टिकोण विकसित करना l

Specify Program Outcome: काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझना! काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को ज्ञात करना!, शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, शब्द-शक्ति के तीनों भेद- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना को उनके उपभेदो के साथ समझना! आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को ग्रहण करते हुए आलोचक के गुणों को ज्ञात करना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- VI** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - भाषा शिक्षण- XII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	वर्तनी	1) शुद्ध वर्तनी का महत्व 2) शुद्ध वर्तनी के नियम 3) लोकोक्तियां एवं मुहावरों का महत्व और उदाहरण l	भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी को समझते हुए शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमो को ज्ञात करना l लोकोक्तियां एवं मुहावरो का महत्व अवगत करते हुए उनके उदाहरणो को समझना l
खण्ड – ख	समाज माध्यम (Social Media)	1) समाज माध्यम का महत्व 2) समाज माध्यमों का प्रभाव 3) साइबरक्राइम कानून तथा आचार संहिताएँ	समाज माध्यम का महत्व एवं उनके प्रभावो को विदित करना l साइबर क्राईम कानून तथा आचार सहिंताओ को समस्तता से समझ लेना l
खण्ड – ग	सर्जनात्मक व्यक्तित्व	१) महात्मा गांधी २) डॉ . बाबासाहेब आंबेडकर ३) डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ४) कबीर ५) प्रेमचंद ६) महादेव वर्मा	सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के समस्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व को ग्रहणकर, उसका महत्व प्रतिपादन करना l

Specify Course Outcome: भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं उसके नियमों को समझना! भाषा की शुद्धता और कुशलता के द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना l

Specify Program Outcome: भाषा शिक्षण का महत्व, हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमों को समझना l लोकोक्तियां और मुहावरों की महत्ता तथा उनके उदाहरण को ज्ञात कराना l समाज माध्यम के महत्व एवं उनके प्रभाव को समझना l साइबर क्राइम कानून तथा आचार संहिताओं को पूर्णता समझलेना l सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के पूर्णता व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझकर उसका महत्व प्रतिपादित करना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- III Course Code :- HIN – I

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	पत्र लेखन	1आवेदन पत्र 2 परिवारिक पत्र 3 मांग पत्र 4 शिकायत पत्र 5 सरकारी पत्र	हिंदी कौशल्य विकास की पत्र लेखन कला विधा से पारिवारिक ,व्यवसायिक, सामाजिक और सरकारी पत्राचार से समस्त ता अवगत होना!
खण्ड – ब	कंप्यूटर प्रयोग	1कंप्यूटर सामान्य परिचय 2ईमेल आईडी पंजीकरण 3ईमेल भेजने की विधि 4वेब सर्चिंग (सामग्री खोज)	कंप्यूटर या संगणक उपकरण से परिचित होकर, उसकी इंटरनेट अर्थात अंतरजाल सुविधा से ई-मेल आईडी पंजीकरण एवं प्रेषित - विधि तथा वेब सर्चिंग को समझना l
खण्ड – क	संभाषण कौशल्य	1 अच्छे वक्ता के गुण 2 संभाषण कौशल्य की विषय सूची १) राष्ट्रीय एकता २)भारतीय संस्कृति ३)हिंदी दिवस ४)महिला सशक्तिकरण ५)प्रजातंत्र ६)साहित्य समाज 7)भारतीय त्यौहार ८)मेरा गांव मेरा देश ९)नैतिक मूल्य १०)स्वच्छ भारत	संभाषण कौशल्य से अवगत होते हुए, अच्छे वक्ता के गुणों को ज्ञात करना!

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना l साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN – II

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	पटकथा	पटकथा संकल्पना और स्वरूप संदर्भ- पटकथा मनोहर श्याम जोशी	कौशल्य -विकास की पटकथा लेखन -कला के सैद्धांतिक अध्ययन से ज्ञात होना l
खण्ड – ब	समाचार लेखन	1 समाचार पत्र के लिए समाचार लेखन 2 दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन 3 आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन	भाषा कौशल से समाचार, दूरदर्शन और आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन करना l
खण्ड – क	नगदी रहीत व्यवहार	1 चेक तथा बैंक प्रणाली द्वारा भुगतान 2 कंप्यूटर इंटरनेट प्रणाली द्वारा भुगतान 3 स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान 4 भ्रमणध्वनी द्वारा भुगतान 5 एटीएम द्वारा भुगतान 6 विभिन्न बैंकों के ॲप द्वारा भुगतान	कौशल्य विकास से ही नगदी रहीत व्यवहार को समझना, जिसमें चेक तथा बैंक प्रणाली, कंप्यूटर इंटरनेट, स्वाइप मोबाइल/ भ्रमणध्वनी, एटीएम विविध बैंकों के ॲप आदि के भुगतान को समझना l

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना l साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- V Course Code :- HIN—III

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड — अ	पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण	1 सिनेमा की पटकथा 2 दूरदर्शन की पटकथा 3 रेडियो की पटकथा	पटकथा के प्रारूप को पूर्णताः से अवगत कर ,भाषा कौशल के द्वारा सिनेमा, दूरदर्शन एवं रेडिओ की पटकथा लिखना l
खण्ड — ब	भाषा कौशल	1 भाषा कौशल की माध्यम- श्रवण, वाचन, लेखन 2 पल्लवन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित	भाषा कौशल तंत्र से श्रवण, भाषण, वाचन ,लेखन कला को समझकर संक्षेपण और पल्लवन को यथोचितता से समझना तथा लेखन करना l
खण्ड — क	लेखन की शुद्धता एवं सुंदरता	1 स्वच्छ भारत अभियान 2 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 3 जल ही जीवन है 4 पर्यावरण सुरक्षा 5 वर्तमान समय और नैतिक मूल्य	भाषा कौशल्य से लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- VI Course Code :- HIN—IV

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड — अ	विज्ञापन	1 प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 2 रेडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 3 दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण	हिंदी भाषा कौशल के द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो एवं दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन को समझना l
खण्ड — ब	भाषाई कंप्यूटर	1 कंप्यूटर का हिंदी भाषाई भविष्य 2 हिंदी में पॉवर पॉइंट का महत्व एवं प्रविधि 3 हिंदी में एम.एस.वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि	कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य के भाषा कौशल तंत्र से समझना एवं पॉवर पॉइंट तथा एम. एस. वर्ड एक्सल शीट निर्माण विधि को कुशलता से समझना l
खण्ड — क	ब्लॉग लेखन	1 ब्लॉग लेखन का महत्त्व एवं प्रकार 2 हिंदी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि 3 इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन	भाषा कौशल से ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व एवं प्रकार को समझना, तथा भाषाई कुशलता से ही इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू- ट्यूब पर प्रकाशन करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher